पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में 'रक्तदान को सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन

रक्तदान श्रेष्ठ कार्य है- राज्यपाल

लखनऊः 24 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 'रक्तदान को सम्मान-2015' कार्यक्रम में रक्तदान के लिये उत्प्रेरित करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों तथा रक्तदान करने वालों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर श्रीमती सुरभि रंजन, श्री एस0एच0 नैयर एच0 खान, डा0 इन्दु शेखर पंचोली, श्री रामचरित, श्री पंकज अग्रवाल तथा डा0 अर्चना गुप्ता को सम्मानित किया। राज्यपाल ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं में श्री आमोद कुमार, आई.ए.एस., श्री राजन शुक्ला, आई.ए.एस., श्री अविनाश चन्दा, श्री दिनेश यादव, श्री अमित यादव, श्रीमती आशिमा सिंह, श्री आनन्द, श्री सुनील, श्री अमित बग्गा, श्री शचीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, श्री मो0 यूसुफ, श्री के0 सुधाकर, श्री एस0के0 दुबे, श्री राहुल गिरी तथा श्री अमित अरोड़ा को सम्मानित किया। इसी प्रकार उन्होंने रक्तदान में सहयोग करने वाली 49 संस्थाओं को सम्मानित किया, जिनमें श्रीमती सुरभि रंजन, आकांक्षा समिति, लखनऊ, लायन्स क्लब, लखनऊ, आवंती महिला विकास एवं सेवा संस्थान, लखनऊ, भारतीय रेल परिवहन प्रबन्धक संस्थान, लखनऊ, कमला नेहरू इंस्ट्यिूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, सुल्तानपुर, फिनिक्स मॉल, लखनऊ, कान्फीड्रेशन ऑफ़ इण्डियन इंडस्ट्री, लखनऊ, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ प्रमुख हैं।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लडबैंक में रक्त को सुरक्षित रखना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। प्रयास होना चाहिये कि रक्त को सुरक्षित रखने की उचित व्यवस्था हो। रक्तदान हेतु ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे समाज को लाभ हो। उन्होंने कहा कि रक्तदान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाये जाने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि विज्ञान के बढ़ते दौर में रक्तदान का महत्व और बढ़ गया है। रक्तदान के साथ-साथ देहदान, नेत्रदान और अंगदान आदि भी बहुत महत्व का कार्य है। इसमें सामाजिक भाव अधिक महत्व का है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति स्वयं भी नहीं जानता की उसके रक्त से किसको जीवन दान मिला है। रक्तदान श्रेष्ठ कार्य है। इस भाव से दान करना कि किसी को इससे जीवन में लाभ मिले, तभी यह समाज के लिये सार्थक है। यह जनता से जुड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में कुलपति, प्रो0 रविकांत, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, श्री आर0पी0 सिंह, प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा, श्री अरविन्द कुमार सहित अन्य लोगों ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन किंगजार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया था।

"रक्तदान को सम्मान समारोह 2015"
के अवसर पर ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन विभाग, द्वारा आयोजित
"स्वैच्छिक रक्तदान कराने वाली संस्थाओं एवं रक्तदान करने
तथा रक्तदान हेतु उत्प्रेरित करने वाले व्यक्तियों को सम्मान"
DONATE BLOOD SAVE LIVES
THE HIPPOCRATIC OATH
प्रो० रवि कान्त

"रक्तदान को सम्मान समारोह 2015"
THE HIPPOCRATIC OATH

"रक्तदान को सम्मान समारोह 2015"
दिनांक : 24 अप्रैल 2015

"रक्तदान को सम्मान समारोह 2015"

"रक्तदान को सम्मान समारोह 2015"
के अवसर पर ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन विभाग, द्वारा आयोजित